



आमंजण

“जो हठि राखे धर्म को तिहि राखे करतार”

संस्थापक-सप्ताह समारोह-2025

4 से 10 दिसम्बर

के अन्तर्गत आयोजित

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता



आयोजक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्
गोरखपुर

समर्पण

गोरक्षपीठ द्वारा संचालित
महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्
शिक्षा-क्षेत्र की एक अग्रणी संस्था है।
पूर्वी उत्तर प्रदेश में गोरखपुर को केन्द्र बनाकर
प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक
बावन शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थानों
एवं सेवा केन्द्रों का संचालन करने वाली
“महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्”
की स्थापना सन् 1932 ई. में
गोरक्षपीठाधीश्वर
महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज द्वारा की गई तथा
उनके शिष्य गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने
इसे पुष्पित पल्लवित किया।
अपने संस्थापकों
युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज
एवं
राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज
को समर्पित है
संस्थापक-सप्ताह समारोह 2025



महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर संस्थापक-सप्ताह समारोह-2025

आमंत्रण

महोदय/महोदया,

श्री गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना सन् 1932 में तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत लगभग 50 से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान एवं सेवा प्रकल्प संचालित है। इन्टर कॉलेज, डिग्री कालेज, बी.एड. कॉलेज, पालिटेक्निक, इन्जीनियरिंग कॉलेज, आयुर्वेद कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज तथा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर इत्यादि का संचालन इस संस्था के द्वारा किया जा रहा है।

अपने संस्थापकों की स्मृति में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा प्रतिवर्ष 4 से 10 दिसम्बर तक संस्थापक-सप्ताह समारोह आयोजित किया जाता है। सप्ताह भर चलने वाले इस समारोह का उद्घाटन 4 दिसम्बर को भव्य शोभा यात्रा के साथ सम्पन्न होता है। 10 दिसम्बर को मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ यह सारस्वत आयोजन सम्पन्न होता है।

वर्तमान सत्र से संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में स्नातक-स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता की पूरी जानकारी आगे दी जा रही है। इस प्रतियोगिता हेतु विश्वविद्यालयों की टीमें सादर आमंत्रित हैं।

साधन्यवाद

भवदीय,

आयोजक मंडल

संस्थापक सप्ताह समारोह-2025

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर

संयोजक मण्डल

प्रो. सुनील कुमार सिंह

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर,
गोरखपुर

प्रो. ओम प्रकाश सिंह

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर

डॉ. अरविन्द चतुर्वेदी

गुरु श्री गोरखनाथ संस्कृत विद्यापीठ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर

डॉ. सुधीर अग्रवाल

महाराणा प्रताप इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गोरखपुर

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता

नियमावली

- इस भाषण प्रतियोगिता में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थी सम्मिलित हो सकेंगे।
- राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में एक विश्वविद्यालय/संस्था से प्रत्येक भाषा में अधिकतम तीन प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु प्रतिभागियों की सूची निर्धारित प्रपत्र पर संस्थाध्यक्ष द्वारा प्रमाणित प्रति की साफ्ट कॉपी शिक्षा परिषद् की ई-मेल : mpspspeech@gmail.com पर 30 नवम्बर 2025, सायं 5 बजे तक ही स्वीकार्य किये जायेंगे। अन्तिम तिथि के बाद भेजे गये प्रतिभागियों के नाम पर विचार संभव नहीं होगा।
- प्रत्येक प्रतिभागी को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए कुल सात मिनट का समय दिया जायेगा पाँच मिनट की समाप्ति पर प्रतिभागी को सूचित किया जायेगा कि दो मिनट शेष हैं। इसके अतिरिक्त समय लेने पर प्राप्त अंकों में कटौती की जायेगी।
- प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों का यात्रा भत्ता उनके विश्वविद्यालय/संस्था द्वारा देय होगा।
- प्रतियोगिता के दौरान ठहरने, जलपान, भोजन व गोरखपुर में ठहरने के स्थल से प्रतियोगिता स्थल तक पहुँचने हेतु यातायात व्यवस्था आयोजन मण्डल द्वारा प्रदान की जायेगी।
- प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पारितोषिक स्वरूप गौरव पत्र, स्मृतिचिह्न एवं नकद धनराशि गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज एवं समारोह के मुख्य अतिथि द्वारा 10 दिसम्बर 2025 को प्रताप मंच से प्रदान किया जायेगा।

**पुरस्कार/
छात्रवृत्ति धनराशि**

**प्रथम
₹15000**

**द्वितीय
₹12000**

**तृतीय
₹9000**

संस्कृत

विषय- 2047 इत्यस्य विकसितभारतम् : अस्माकं सङ्कल्पनाः

तिथि- 7 दिसम्बर, दिन- रविवार, समय- प्रातः 10:00 बजे

स्थान- दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर

हिन्दी

विषय- 2047 का विकसित भारत : हमारी संकल्पना

तिथि- 8 दिसम्बर, दिन- सोमवार, समय- प्रातः 10:00 बजे

स्थान- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर

अंग्रेजी

विषय- Developed India @2047 : Our Vision

तिथि- 9 दिसम्बर, दिन- मंगलवार, समय- प्रातः 10:00 बजे

स्थान- महाराणा प्रताप इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गोरखपुर

सम्पर्क सूत्र

☎ 7007638374, 9451851216, 9807715902, 9140775309

✉ mpspspeech@gmail.com 🌐 www.mpspgkp.in



महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर

संस्थापक-सप्ताह समारोह-2025

स्वीकृति-प्रपत्र

सेवा में,

संयोजक राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता

संस्थापक सप्ताह समारोह-2025

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर

महोदय,

हमारे संस्था से निम्नलिखित विद्यार्थियों का नाम उक्त प्रतियोगिता के लिए प्रेषित है।

संस्था का नाम

विश्वविद्यालय का नाम

भाषा वर्ग (संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी)

संस्थाध्यक्ष नाम

संस्थाध्यक्ष का मोबाइल

ई-मेल

ध्यान दे : एक स्वीकृति पत्र पर एक ही भाषा वर्ग प्रतियोगिता में अधिकतम 3 प्रतियोगियों के नाम प्रेषित करें।

कुलपति/संस्थाध्यक्ष/निदेशक/अधिष्ठाता/प्राचार्य

दिनांक

(हस्ताक्षर एवं मुहर)

प्राप्ति-पत्र

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता के भाषा वर्ग (संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी)

संस्था का नाम

विश्वविद्यालय का नाम

हस्ताक्षर प्राप्तकर्ता

दिनांक

(स्पष्ट)

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बालगंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न खड़ा होने लगा था। 1920 ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और 1930-31 ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। 1915-16 ई. के बाद के इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। स्व-संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि से अनुप्राणित शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही इस चुनौती का एक मात्र समाधान था। इस चुनौती को भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

4 फरवरी 1916 ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से लोकार्पित हो गया। यह विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार का एक मानक बना और इसी धारा को गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए 1932 ई. में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के क्षेत्र में भी भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने जीवन मूल्यों की पुनर्स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूर-दृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब तक देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था, जनता विपन्न थी, ज्ञान-कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत सन् 1932 ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में महाराणा प्रताप स्कूल प्रारम्भ हुआ। सन् 1935 ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और सन् 1935 ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम



‘महाराणा प्रताप हाई स्कूल’ हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते ही यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कॉलेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

1949-50 ई. में इसी परिसर में महाराणा प्रताप महाविद्यालय एवं महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। अगस्त 1958 ई. में गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त जी ने इन दोनों महाविद्यालयों को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। गोरखपुर विश्वविद्यालय का एम. बी.ए., शिक्षाशास्त्र, प्रौढ़ शिक्षा संकाय तथा महारानी लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा प्रदान किये गये परिसर में ही स्थित है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की; सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है। दो अन्य प्रमुख महाविद्यालय महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंगल धूसड़ एवं महाराणा प्रताप महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामदत्तपुर, महानगर, गोरखपुर में संचालित है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में बावन शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाएँ एवं सेवा केन्द्र गोरखपुर परिक्षेत्र में संचालित हो रही हैं। इनमें गोरखपुर महानगर में उपर्युक्त संस्थाओं के अलावा महाराणा प्रताप पालीटेक्निक, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यापीठ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गुरु श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज सिविल लाइन्स, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय (बी.एड. पाठ्यक्रम), महाराणा प्रताप टेलरिंग कॉलेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कॉलेज रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज जंगल धूसड़, दिग्विजयनाथ इण्टर कॉलेज चौक माफी और महाराणा प्रताप सीनियर सेकेण्डरी स्कूल मंगला देवी मन्दिर बेतियाहाता, गोरखपुर प्रमुख संस्थाएँ हैं। महाराजगंज जनपद में दिग्विजयनाथ इण्टर कॉलेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ बालिका विद्यालय चौक बाजार, दिग्विजयनाथ शिशु शिक्षा विहार चौक बाजार, गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार प्रमुख प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाएँ हैं। ये सभी शिक्षण संस्थाएँ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उद्देश्यों के अनुरूप भारतीय संस्कृति से युक्त शिक्षा का प्रसार-प्रचार करने में लगी हुई हैं। चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय की प्रतिष्ठा सर्वविदित है। वर्तमान समय में प्रति वर्ष किसी न किसी संस्था की नींव पड़ रही है अथवा नित नूतन पाठ्यक्रम बढ़ रहे हैं। चौक माफी में लगभग पचास एकड़ भूमि में महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र के संचालन से पूर्वांचल के किसानों में आशा की नई किरण जागृत हुई है। शिक्षा-स्वास्थ्य के माध्यम से सेवा एवं साधना में संलग्न महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के निरन्तर बढ़ते कदम का वर्तमान युग साक्षी है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना में अपनी महत्तम भूमिका का निर्वहन करते हुए इस परिक्षेत्र में विश्वविद्यालय शिक्षा का जो श्रीगणेश किया था, उसमें श्रीवृद्धि करते हुए एक नये विश्वविद्यालय के रूप में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम, सोनबरसा, गोरखपुर की स्थापना करके राष्ट्रवादी शिक्षा के इस अभियान को नई ऊँचाई प्रदान किया है। वर्तमान सत्र से तकनीकी शिक्षा को आगे बढ़ाते हुए महाराणा प्रताप पॉलीटेक्निक परिसर में ही महाराणा प्रताप इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और सेंटर ऑफ एक्सिलेंस की शुरुआत की जा चुकी है।



स्थापित १९३२ ई.

संस्थापक-सप्ताह समारोह-2025



महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक सप्ताह समारोह : 2024
पूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज की अध्यक्षता में सम्पन्न उद्घाटन समारोह में
मुख्य अतिथि सहित अतिथि एवं
महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के पदाधिकारी



महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक सप्ताह समारोह : 2024 मुख्य महोत्सव में
पुरस्कार प्राप्त करती विजेता प्रतिभागी



स्थापित १९३२ ई.

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

कार्यालय - प्रताप आश्रम, गोलघर, गोरखपुर-273001

☎ 7007638374, 9451851216, 9807715902, 9140775309

✉ mpspspeech@gmail.com 🌐 www.mpspgkp.in